Audio Resources: Policy Perspectives, Concept, Format and Scope

श्रव्य संसाधन पालिसी परिदृश्य, अवधारणा, प्रारूप और दायरा

- **Dr. Rizvanul Haque**
- Central Institute of Education Technology, **NCERT, New Delhi**

श्रव्य संसाधन

- श्रव्य संसाधन क्या हैं?
- वह संसाधन जिन्हें सुनकर हम कुछ समझ और सीख सकें। श्रव्य माध्यम कहलाते हैं। अपनी शिक्षण और अधिगम में सहायक हों

श्रव्य संसाधन क्या हैं?

- लिखे हुए शब्द, या ख़ुद से सोच कर बोले हुए शब्द को बोलना और उसे आगे फिर से सुनने के लिए किसी उपकरण द्वारा सुरक्षित कर लेने की प्रक्रिया को श्रव्य संसाधन कहते हैं।
- श्रव्य संसाधन में शब्द मुख्य भूमिका में होते हैं लेकिन शब्दों के अलावा, हंसी, रोना दूसरे जानवरों और परिंदों वग़ैरा की आवाज़ें भी शामिल होती हैं। जो लिखे हुए शब्दों में मुश्किल से संप्रेसित हो पाती हैं।

.

.

शिक्षा में सहायक श्रव्य संसाधन

रेडियो, कम्युनिटी रेडियो, ज्ञान वाणी,
मोबाईल ऐप, मोबाइल इत्यादि पर रिकार्ड किए गये प्रोग्राम
ई बुक वग़ैरा श्रव्य संसाधन हैं।

शिक्षा में सहायक श्रव्य संसाधन

- शिक्षा में श्रव्य संसाधनों की उपयोगिता
- दृश्य - श्रव्य माध्यम से किस तरह अलग हैं
- भाषा सीखने में श्रव्या माध्यमों की उपयोगिता
- कल्पना शीलता को बढ़ाने में उपयोगी संसाधन
- दूर तक प्रक्षेपण में आसानी

श्रव्य संसाधन

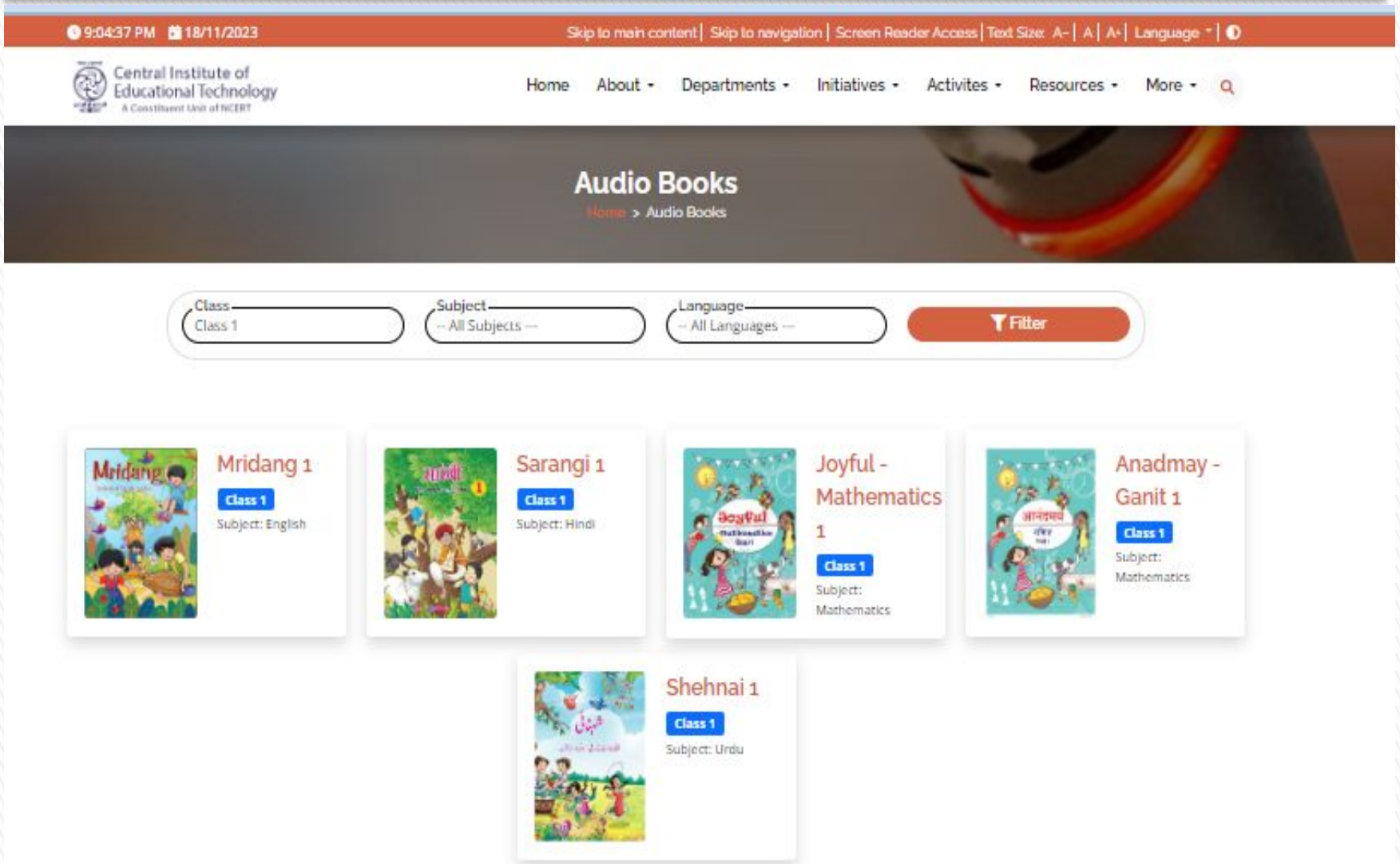
9:04:37 PM 18/11/2023
Skip to main content | Skip to navigation | Screen Reader Access | Text Size A- | A | A+ | Language
Central Institute of Educational Technology
A Constituent Unit of NCERT
Home
About
Departments
Initiatives
Activites
Resources
More
Audio Books
Home > Audio Books
Class
Class 1
Subject
-- All Subjects --
Language
-- All Languages --
Filter
Mridang 1
Class 1
Subject: English
Sarangi 1
Class 1
Subject: Hindi
Joyful - Mathematics 1
Class 1
Subject: Mathematics
Anadmay - Ganit 1
Class 1
Subject: Mathematics
Shehnai 1
Class 1
Subject: Urdu

पहले से तैयार श्रव्य संसाधनों का प्रयोग

श्रव्य संसाधन का एक मुख्य लाभ यह है कि आम बोल चाल में बोले हुए शब्द एक ही बार उपयोग में आते हैं, जबकि श्रव्य संसाधनों के प्रयोग से उन बहुमूल्य बातों को बार बार सुना और सुनाया जा सकता है और शिक्षा में अधिगम के लिए भी इसका बार बार दुनिया के किसी भी क्षेत्र में किया जा सकता है। भारत जैसे विशाल देश में इसकी उपयोगिता बढ़ जाती है

श्रव्य संसाधन

Radio Image

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- *“Ensure inclusive and equitable quality education and promote lifelong learning opportunities for all”*

- *"समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करें और सभी के लिए आजीवन सीखने के अवसरों को बढ़ावा दें"*

SDG Goal 4

.

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- ***“Equitable and Inclusive Education- Learning for All- Provide Children With Disabilities, the same opportunities of obtaining quality education as any other child”(para 6)***

- "न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा - सभी के लिए सीखना - विकलांग बच्चों को किसी अन्य बच्चे के समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर प्रदान करना" (पैरा 6)

NEP 2020

.

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- ***Schools to provide inclusive education -students with and without disability learn together and the system of teaching and learning is suitably adapted to meet the learning needs of students with disabilities***

RPwD Act 2016

- स्कूल समावेशी शिक्षा प्रदान करेंगे - विकलांगता वाले और बिना विकलांगता वाले छात्र एक साथ सीखते हैं और शिक्षण और सीखने की प्रणाली को विकलांग छात्रों की सीखने की जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयुक्त रूप से अनुकूलित किया जाता है।

.

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- The common thread that runs through Acts, Policies and Conventions is provide
  - **“Equitable Opportunities and Inclusive Education to All Children”**

- अधिनियमों, नीतियों और सम्मेलनों के माध्यम से चलने वाला सामान्य सूत्र प्रदान करना है
- "सभी बच्चों के लिए समान अवसर और समावेशी शिक्षा"

.RTE Act 2009

.

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- Lack of accessible learning material continues to be a major barrier in providing equitable learning opportunities to Children with Disabilities
- The issue became more pronounced during COVID -2019 pandemic

Policy During Pandemic 2019

- विकलांग बच्चों को सीखने के समान अवसर प्रदान करने में सुलभ शिक्षण सामग्री की कमी एक बड़ी बाधा बनी हुई है
- कोविड-2019 महामारी के दौरान यह मुद्दा और अधिक स्पष्ट हो गया

.

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- **July 2015:** Hon' Prime Minister launched **“Digital India”** programme with a vision to transform India into a digitally empowered society and knowledge economy

- जुलाई 2015: माननीय प्रधान मंत्री ने भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलने की दृष्टि से "डिजिटल इंडिया" कार्यक्रम शुरू किया।

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- **September 2017:** DIKSHA, a national platform for school education launched to provide accessible e-content to all learners across all the States of India

- **सितंबर 2017: भारत के सभी राज्यों में सभी शिक्षार्थियों को सुलभ ई-सामग्री प्रदान करने के लिए स्कूली शिक्षा के लिए एक राष्ट्रीय मंच दीक्षा लॉन्च किया गया।**

NEP 2020

- **July 2020: New Education Policy -2020** launched which states that *"Teaching-learning eContent will to be developed by all states in regional languages, NCERT, CIET, CBSE, NIOS, and other bodies/ institutions, and will be uploaded onto the DIKSHA platform"* (Clause 23.6)

- जुलाई 2020: नई शिक्षा नीति -2020 लॉन्च की गई जिसमें कहा गया है कि "शिक्षण-शिक्षण ई-कंटेंट को सभी राज्यों द्वारा क्षेत्रीय भाषाओं, एनसीईआरटी, सीआईईटी, सीबीएसई, एनआईओएस और अन्य निकायों/संस्थानों में विकसित किया जाएगा, और दीक्षा प्लेटफॉर्म पर अपलोड किया जाएगा।"

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- **August 2020**:, Ministry of Education constituted a committee of experts to frame guidelines to be uniformly implemented across the country for developing **"e-content for Children with Disabilities"**
- **June 2021: Guidelines formally released** by the Hon'ble Minister of Education, for usage by content creators, developers and publishers in all States. Guidelines for the development of Video and Audio content have been detailed out in these guidelines

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- अगस्त 2020: शिक्षा मंत्रालय ने "विकलांग बच्चों के लिए ई-सामग्री" विकसित करने के लिए पूरे देश में समान रूप से लागू किए जाने वाले दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया।
- जून 2021: सभी राज्यों में सामग्री निर्माताओं, डेवलपर्स और प्रकाशकों द्वारा उपयोग के लिए माननीय शिक्षा मंत्री द्वारा औपचारिक रूप से दिशानिर्देश जारी किए गए।इन दिशानिर्देशों में वीडियो और ऑडियो सामग्री के विकास के लिए दिशानिर्देशों का विस्तृत विवरण दिया गया है

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- **2021-23**: CIET has taken various initiatives to develop audio and video contents based on these guidelines, SAKSHAM DIGITAL LIBRARY converts print books into accessible formats and uploads upon *Sugamya Pustakalaya*, an initiative started by Saksham and later taken by GoI

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- 2021-23: सीआईईटी ने इन दिशानिर्देशों के आधार पर ऑडियो और वीडियो सामग्री विकसित करने के लिए विभिन्न पहल की हैं, सक्षम डिजिटल लाइब्रेरी प्रिंट पुस्तकों को सुलभ प्रारूपों में परिवर्तित करती है और सुगम्य पुस्तकालय पर अपलोड करती है, जो सक्षम द्वारा शुरू की गई एक पहल है और बाद में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई है।

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- **Provide Multiple means of Representation**
- **Present content in multiple ways**

- ✔ Digital
- ✔ Print
- ✔ Text to speech
- ✔ Braille
- ✔ Videos with closed captions,
- ✔ Audio books
- ✔ Sign Language videos

प्रतिनिधित्व के अनेक साधन प्रदान करें

सामग्री को अनेक तरीकों से प्रस्तुत करें

डिजिटल
प्रकाशित पुस्तकें
भाषण के पाठ
ब्रेल
उपयुक्त कैप्शन वाले वीडियो
ऑडियो पुस्तकें
सांकेतिक भाषा वीडियो

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

Provide Multiple means of Action and expression

- Give students multiple options of expressing what they know

- ✔ Assignments
- ✔ Painting
- ✔ Video
- ✔ Comic strip
- ✔ access to assistive devices
- ✔ Provide feedback

- अभिव्यक्ति के अनेक साधन उपलब्ध करवाना
- विद्यार्थियों जो जानते हैं उसे व्यक्त करने के लिए विकल्प दें
- कार्य
- चित्रकारी
- वीडियो
- कॉमिक स्ट्रिप
- सहायक उपकरणों तक पहुंच
- अपनी प्रतिक्रिया दें

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- **Provide Multiple means of Engagement**

- **Use multiple ways to stimulate and maintain interest**

✔ **What fires one student may not fire up another!**

✔ **Give students choices to fuel their interests and autonomy**

✔ **Help students risk mistakes and learn from them. If they love learning they will persist through challenges**

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- सहभागिता के अनेक साधन प्रदान करें
- रुचि को प्रोत्साहित करने और बनाए रखने के लिए कई तरीकों का उपयोग करें
- एक छात्र में जो बात भड़कती है वह दूसरे में नहीं भड़क सकती!
- छात्रों को उनके हितों और स्वायत्तता को बढ़ावा देने के लिए विकल्प दें
- छात्रों को गलतियों का जोखिम उठाने और उनसे सीखने में मदद करें।
- यदि उन्हें सीखना पसंद है तो वे चुनौतियों का सामना करते रहेंगे

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- यह कुछ श्रव्य संसाधनों की पालिसी थीं जिनको हमने जाना और उन्हें सही परिप्रेक्ष्य में समझने की कोशिश की
- यहां इस बात को समझने की ज़रूरत है यह पलिसी श्रव्य संसाधन की पालिसी के तौर पर ख़ास तौर से नहीं बनायी गयी हैं। कभी डिजिटल इण्डिया के तौर पर कभी एन ई पी 2020 के तौर पर बनायी गयीं और कभी यूनिवर्सल डिज़ाइन आफ़ लर्निंग के तौर पर बनायी गयी हैं। लेकिन इन सबमें श्रव्य संसाध्ानों को अहमियत दी गयी है और उनकी उपयोगिता को रेखांकित किया गया है।

श्रव्य संसाधनों की पालिसी

- श्रव्य संसाधन हर वर्ग की ज़रूरत के अनुरूप हो सकते हैं। वह चाहे छात्र हों चाहे अध्यापक हों। या आम श्रोता क्योंकि कुछ न कुछ सीखना हर इन्सान की फ़ितरत में होता है।
- श्रव्य संसाधन श्रोता की ज़रूरत के अनुरूप चाहिए बनाए जा सकते हैं।
- श्रव्य संसाधन

श्रव्य संसाधनः अवधारणा

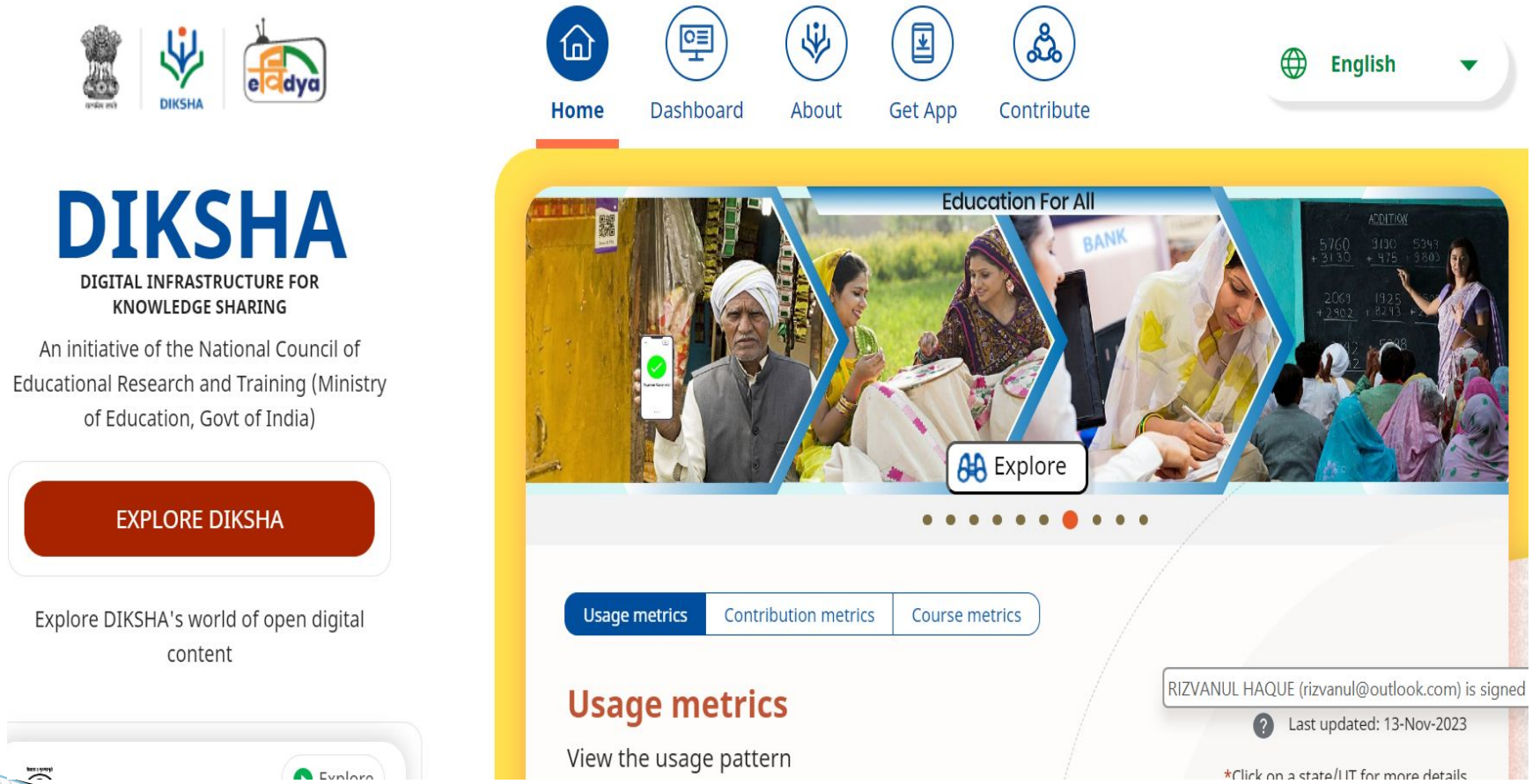

श्रव्य संसाधनः प्रारूप और दायरा

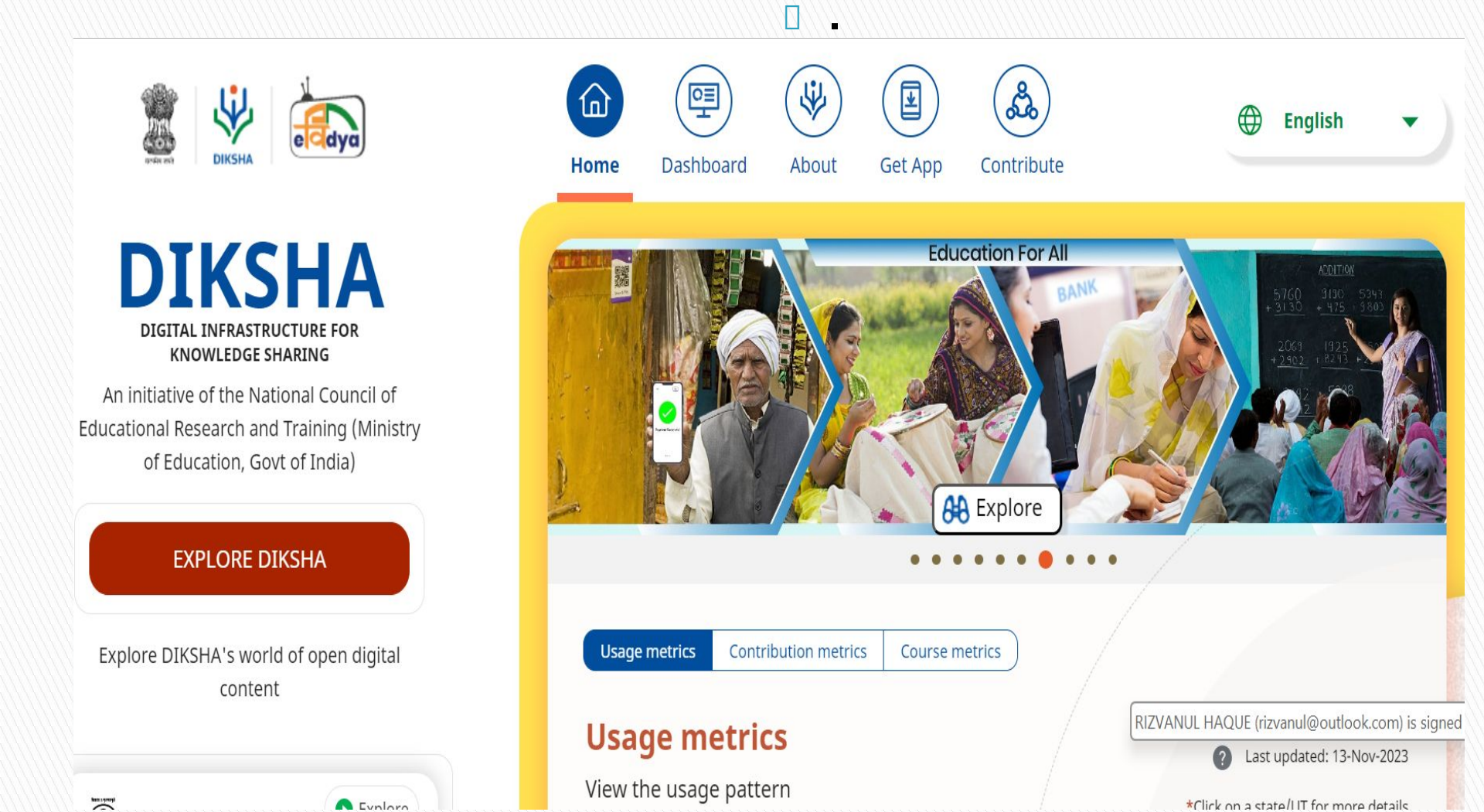

श्रव्य संसाधनः प्रारूप और दायरा

Explore DIKSHA's world of open digital content

NCERT — Explore

Explore content published by NCERT (National Council of Educational Research and Training)

CBSE — Explore

Explore content published by CBSE (Central Board of Secondary Education)

NIOS — Explore

Explore content published by NIOS (The National Institute of Open Schooling)

India

	STATE / UT	Total Learning Sessions
1	Karnataka	4.70 Million
2	Uttar Pradesh	2.55 Million
3	Bihar	1.17 Million
4	Madhya Pradesh	7 Lakhs
5	Maharashtra	6 Lakhs
6	Andhra Pradesh	5 Lakhs
7	Gujarat	5 Lakhs
8	Tamil Nadu	4 Lakhs
9	Telangana	4 Lakhs
10	Delhi	3 Lakhs

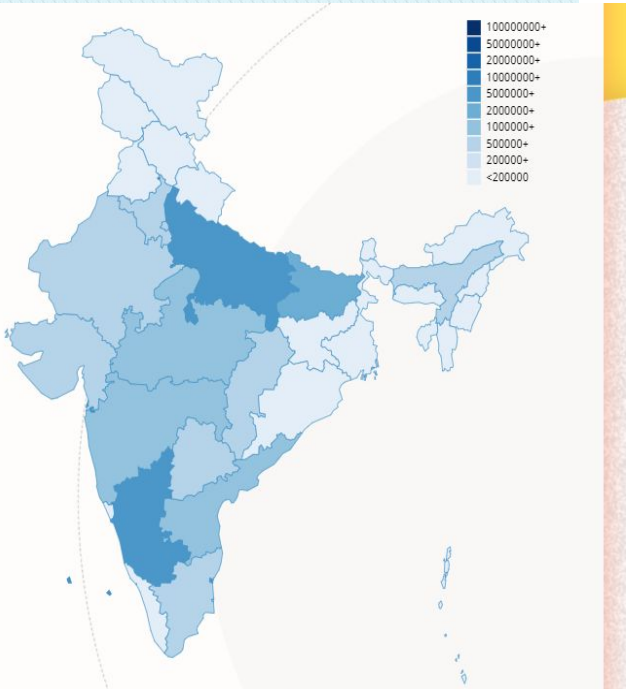

DIKSHA current usage

JO; lalkËku% izk:i vkSj nk;jk

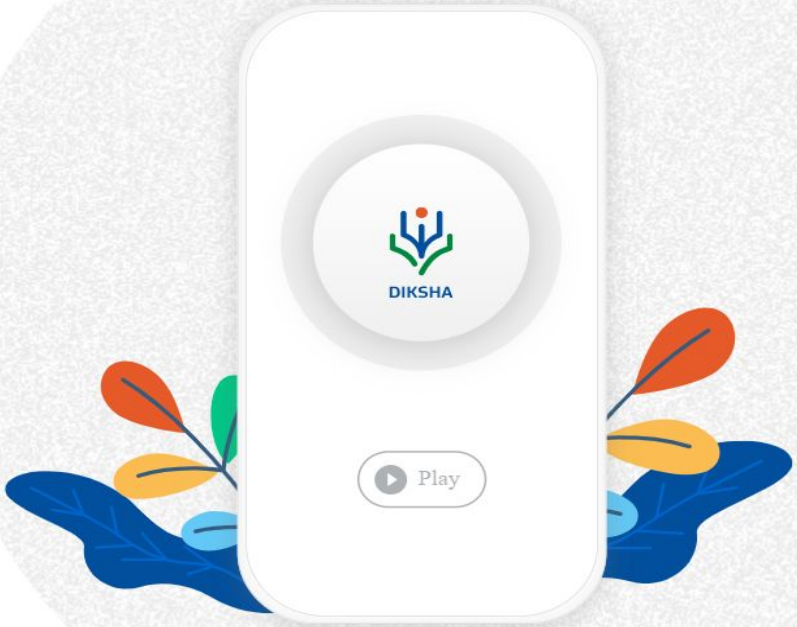

DIKSHA for Mobile

The DIKSHA platform offers engaging learning material, relevant to the prescribed school curriculum, to teachers, students and parents. Download the DIKSHA app and scan QR codes in your textbooks for easy access to all your lessons. {Android 5.1 and above}

GET IT ON Google Play

श्रव्य संसाधनः प्रारूप और दायरा

श्रव्य संसाधनः प्रारूप और दायरा

- स्वयं के बनाए आडियो

श्रव्य संसाधनः प्रारूप और दायरा

- श्रव्य संसाधन खुद कैसे बनाएं
- लिखना
- रिकार्ड करना
- क्लास में कैसे प्रयोग करें

JO; lalkËku% izk:i vkSj nk;jk

- श्रव्य संसाधन की सीमाएं
- उपलब्धता की सीमाएं
- प्रयोग की सीमाएं

Language Learning and Audio Resources

- Differentiating the Sounds of
- फ और फ़
- ख और ख़
- ज और ज़
- ग और ग़
- स और ष
- इन आवाज़ों को फ़र्क़ करना

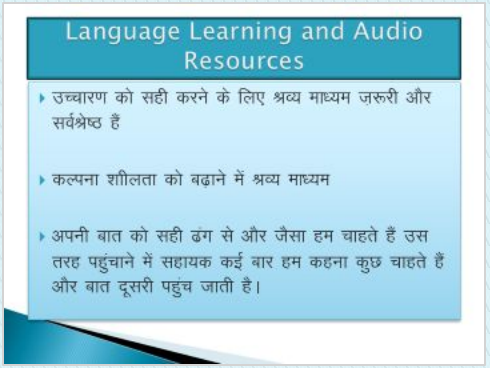

Language Learning and Audio Resources

- उच्चारण को सही करने के लिए श्रव्य माध्यम ज़रूरी और सर्वश्रेष्ठ हैं
- कल्पना शीलता को बढ़ाने में श्रव्य माध्यम
- अपनी बात को सही ढंग से और जैसा हम चाहते हैं उस तरह पहुंचाने में सहायक कई बार हम कहना कुछ चाहते हैं और बात दूसरी पहुच जाती है।

Thanks to:

- CIET
- Dr. Angel Ratnabai
- Teachers
- Learners